NATIONAL WEBINAR

on

आपदा से अवसर तक : समृद्ध गाँव - आत्मनिर्भर भारत

Date: 2nd September, 2020 | Time: 11:00 am - 12:35 pm

under the aegis of

UNNAT BHARAT ABHIYAN
उन्नत भारत अभियान

उन्नत भारत अभियान
UNNAT BHARAT ABHIYAN

Organized By:

Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
LUCKNOW
प्रज्ञा शील करूणा
ESTABLISHED 1996



Prof. Sanjay Singh
Chief Patron
Vice Chancellor, BBA University



Prof. Naveen K. Arora
Convener of Webinar
Nodal Officer, UBA 2.0,
BBA University



Shri Atul Kothari
Chief Guest
National Coordinator of Shiksha Bachao Andolan Samiti &
Secretary of Shiksha Sanskriti Utthan Nyas



Dr. Anil Prakash Joshi
Guest of Honour
Founder of HESCO, Dehradun



Shri Prem Singh
Invited Speaker
Founder of Manveeya Shiksha Sansthan

Organizing Committee

Prof. Shilpi Verma | Dr. U.V. Kiran | Dr. Rachana Gangwar | Dr. Manoj Kr. Dhadwal
Dr. Raj Shree | Dr. Alka

Some glimpses of the event:









Newspaper Coverage:

विश्ववार्ता 3/9/20

गांव में स्वास्थ्य और शिक्षा पर काम करने की आवश्यकता



» बीबीएयू में हुआ राष्ट्रीय वेबीनार
» नई शिक्षा नीति विकास में देगी योगदान

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में "उन्नत भारत अभियान" के तहत समृद्ध गांव -आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने की। उन्होंने कहा कि गांव में स्वास्थ्य और शिक्षा की समस्या मूल रूप से देखी गई है जिस पर काम करने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति पंचायत गांव के विकास और भारत को समृद्ध बनाने की दिशा में एक बड़ा योगदान देगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो अतुल कोठारी (नेशनल कोऑर्डिनेटर, शिक्षा बचाओ समिति व सेक्रेटरी, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास) ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने में विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभा सकते हैं। गांवों को समृद्ध बनाने के लिए पहले सर्वे के माध्यम से हमें उनकी आवश्यकता को जानना होगा। पलायन को रोकना होगा और गांवों में बेहतर शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट के जरिए हम गांव में ही रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं। इसके लिए उन्होंने गांव में छोटे स्तर पर फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री शुरू करने व विपणन की सुविधाओं को गांव तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय समाज के विकास में सहभागी बने तभी गांव समृद्ध होंगे और आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा होगा।

राष्ट्रीय स्वरूप 3/9/20

नई शिक्षा नीति के योगदान से गांव के होंगे विकास

आत्मनिर्भर भारत के तहत राष्ट्रीय वेबिनार में बोले बीबीएयू के कुलपति

लखनऊ (स्वरूप संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय सिंह ने कहा कि गांव में स्वास्थ्य और शिक्षा की समस्या मूल रूप से देखी गई है जिस पर काम करने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति से गांव के विकास और भारत को समृद्ध बनाने की दिशा में एक बड़ा योगदान मिलेगा। बीबीएयू कुलपति की अध्यक्षता में आनलाइन माध्यम के जरिये उन्नत भारत अभियान के तहत आपदा से अवसर पर समृद्ध गांव आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

इस मौके पर मौजूद नेशनल कोऑर्डिनेटर, शिक्षा बचाओ समिति के सेक्रेटरी अतुल कोठारी ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने में विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभा सकते हैं। गांवों को समृद्ध बनाने के लिए पहले सर्वे के माध्यम से हमें उनकी आवश्यकता को जानना होगा। पलायन को रोकना होगा और गांवों में बेहतर शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट के जरिए हम गांव में ही रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं।

उमर उजाला 3/9/20

भारत को आत्मनिर्भर बनाने में विवि निभा सकते हैं अहम भूमिका

लखनऊ। भारत को आत्मनिर्भर बनाने में विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभा सकते हैं। यह बात शिक्षा बचाओ समिति के नेशनल को-ऑर्डिनेटर व शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के सचिव अतुल कोठारी ने बुधवार को बीबीएयू द्वारा 'उन्नत भारत अभियान' के तहत आयोजित वेबिनार में कही। कोठारी ने कहा कि गांवों को समृद्ध बनाने के लिए पहले पलायन को रोकना होगा और गांवों में बेहतर शिक्षा के अवसर पैदा करने होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल प्रकाश जोशी रहे। मानवीय शिक्षा संस्थान के फाउंडर प्रेम सिंह ने समृद्ध परिवारों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के संयोजक, उन्नत भारत अभियान के नोडल ऑफिसर प्रो. नवीन कुमार अरोरा ने अभियान के तहत 5 गांव गोद लेने की जानकारी दी। डॉ. राजश्री ने कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में आयोजन समिति की सदस्य प्रो. शिल्पी वर्मा, डॉ. युवी किरण, डॉ. रचना गंगवार, डॉ. अल्का, डॉ. मनोज डढवाल समेत विवि के शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी कार्यक्रम का हिस्सा बने।